



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 259]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 9, 2017/आश्विन 17, 1939

No. 259]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 9, 2017/ ASVINA 17, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 2017

सं० 29/2015-20

विषय : विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2015-20 की प्रक्रिया पुस्तक (एचबीपी) 2015-20 के पैरा 5.25 में संशोधन के संबंध में।

फा० सं० 18/36/एएम-18/पी-5.—विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2015-20 के पैरा 1.03 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक विदेश व्यापार एतद्वारा विदेश व्यापार नीति 2015-20 की प्रक्रिया पुस्तक (एचबीपी) के पैरा 5.25 में तत्काल प्रभाव से संशोधन करते हैं (किए गए परिवर्तनों/परिवर्धनों को मोटे अक्षरों में दर्शाया गया है)।

2. विदेश व्यापार नीति 2015-20 की प्रक्रिया पुस्तक 2015-20 के संशोधित पैरा 5.25 को प्रतिस्थापित किया जाएगा जो निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:—

पैरा 5.25: ईपीसीजी स्कीम के तहत आयातित पूंजीगत माल का पुनः निर्यात/मरम्मत/पुनः स्थापन

(क) ईपीसीजी स्कीम के तहत आयातित पूंजीगत माल जिसे खराब अथवा उपयोग के लिए अनुपयुक्त पाया जाता है उसे क्षेत्रीय प्राधिकारी/सीमाशुल्क प्राधिकारी की अनुमति से ऐसे माल के सीमा-शुल्क विभाग द्वारा निकासी की तिथि से तीन वर्षों के भीतर विदेशी आपूर्तिकर्ता को पुनः निर्यात किया जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप निर्यात दायित्व पुनः निर्धारित किया जाएगा।

(ख) ईपीसीजी स्कीम के तहत आयातित पूंजीगत माल जिसे खराब अथवा उपयोग के लिए अनुपयुक्त पाया गया है उसका निर्यात किया जा सकता है तथा इसके प्रतिस्थापन में पूंजीगत माल का आयात किया जा सकता है। ऐसे मामलों में निर्यात की अनुमति देते समय सीमा शुल्क विभाग प्राप्त किए गए शुल्क लाभ को क्रेडिट करेगा जिसे ऐसे प्रतिस्थापित पूंजीगत माल के आयात के समय पुनः डेबिट किया जा सकता है।

- (ग) ईपीसीजी स्कीम के तहत आयातित पूंजीगत माल को क्षेत्रीय प्राधिकारी/सीमा शुल्क प्राधिकारी की अनुमति से ऐसे माल पर सीमा शुल्क विभाग द्वारा निकासी की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के अंदर मरम्मत हेतु विदेश में पुनः निर्यात किया जा सकता है। मरम्मत पर किए गए व्यय पर शुल्क घटक तथा बीमा और दोनों तरफ के मालभाड़े को निर्यात दायित्व के पुनः निर्धारण हेतु ध्यान में रखा जाएगा।

3. इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव:—

विदेश व्यापार नीति 2015–20 की प्रक्रिया पुस्तक के पैरा सं० 5.25 को संशोधित किया गया है।

आलोक वर्धन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 9th October, 2017

No. 29/2015-20

Subject: Amendment in para 5.25 of HBP 2015-20 of the Handbook of Procedures (HBP) of Foreign Trade Policy (FTP) 2015-20 – regarding

F. No. 18/36/AM-18/P-5.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 1.03 of the Foreign Trade Policy (FTP), 2015-20, the Director General of Foreign Trade, hereby makes amendments in para 5.25 of the Handbook of Procedures (HBP) of FTP 2015-20, with immediate effect (changes /additions made are in bold letters).

2. The revised para 5.25 of HBP 2015-20 of FTP 2015-20 would be substituted to read as under :

Para 5.25: Re-Export/**Repair**/Replacement of Capital Goods Imported under EPCG Scheme

(a). Capital Goods imported under EPCG scheme, which are found defective or unfit for use, may be re-exported to foreign supplier within three years from the date of clearance by Customs of such goods, with permission of RA/Customs Authority. Consequently, EO would be re-fixed.

(b). Capital Goods imported and found defective or otherwise unfit for use may be exported, and Capital Goods in replacement thereof be imported under EPCG scheme. In such cases, while allowing export, the Customs shall credit the duty benefit availed which can be debited again at the time of import of such replaced Capital Goods.

(c). **Capital Goods imported under EPCG Scheme, may be re-exported for repairs abroad within three years from the date of clearance by Customs of such goods, with permission of RA/Customs Authority. The duty component on the expenditure incurred on the repairs as well as the insurance and the freight, both ways shall be taken into account for re-fixation of the EO.**

3. Effect of this Public Notice:

Para No. 5.25 of the Handbook of Procedures of FTP 2015- 20 has been amended.

ALOK VARDHAN CHATURVEDI, Director General of Foreign Trade